मध्यप्रदेश समसामयिकी

20th December 2024

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सामूहिक वर्मम चिकित्सा का नाम दर्ज।

राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस) ने एक साथ 567 व्यक्तियों को वर्मम थेरेपी प्रदान करने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

मुख्य बिंदु

- 18 दिसंबर को तमब्रम, चेन्नई के NIS कैंपस में आयोजित कार्यक्रम ने सिद्ध चिकित्सा और इसके गैर-आक्रामक, दवाओं से मुक्त चिकित्सीय तरीकों, विशेष रूप से वर्मम थेरेपी के महत्व को उजागर किया।
- इस कार्यक्रम में 567 प्रशिक्षित वर्मणी (वर्मम चिकित्सक) ने एक साथ 567 लोगों को थेरेपी प्रदान की, जिससे इस पारंपरिक पद्धति की चिकित्सीय पहुंच और प्रभावशीलता को दर्शाया गया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड ने न केवल सिद्ध चिकित्सा की चिकित्सीय क्षमता को प्रदर्शित किया, बल्कि पारंपरिक उपचार प्रणालियों में बढ़ती रुचि को भी उजागर किया।
- वर्मम थेरेपी, सिद्ध चिकित्सा प्रणाली के भीतर एक अद्वितीय और पारंपरिक उपचार पद्धति है, जो विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में अपनी प्रभावशीलता के लिए लंबे समय से प्रसिद्ध है।
- यह विशेष रूप से मांसपेशीय-हड्डीय दर्द, चोटों और न्यूरोलॉजिकल विकारों के लिए त्वरित राहत प्रदान करने की अपनी क्षमता के लिए जानी जाती है।

पहली बार गंगा नदी डॉल्फिन टैगिंग

18 दिसंबर 2024 को असम में पहली बार गंगा नदी डॉल्फिन (प्लैटनिस्टा गैंगेटिका) को टैग किया गया।

मुख्य बिंदु

- यह पहल पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के तत्वावधान में वन्यजीव संस्थान भारत (WII) द्वारा असम वन विभाग और आरण्यक के सहयोग से राष्ट्रीय CAMPA प्राधिकरण के वित्त पोषण के साथ लागू की गई। यह टैगिंग न केवल भारत में, बल्कि इस प्रजाति के लिए भी पहली बार की गई है, और यह मील का पत्थर प्रोजेक्ट डॉल्फिन के महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत है।
- पहली टैगिंग असम में हुई, जहां एक स्वस्थ नर नदी डॉल्फिन को टैग कर अत्यंत पशु चिकित्सा देखभाल के तहत छोड़ा गया।
- यह टैगिंग अभ्यास उनके मौसमी और प्रवासी पैटर्न, क्षेत्र, वितरण और आवास उपयोग को समझने में मदद करेगा, विशेष रूप से खंडित या बाधित नदी प्रणालियों में।
- भारत का पहला राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र (NDRC) पटना, बिहार में खोला गया है।

गंगा नदी डॉल्फ़िन के बारे में।

- राष्ट्रीय जलीय जीव: गंगा नदी की डॉल्फिन भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है।
- अन्य नाम: "गंगा का बाघ।"
- इसे आधिकारिक तौर पर 1801 में खोजा गया था।
- यह दुनिया में मीठे पानी की केवल चार प्रकार की डॉल्फ़िनों में से एक है।
- अन्य चीन में यांग्त्ज़ी नदी (लेकिन अब विलुप्त), पाकिस्तान में सिंधु नदी और दक्षिण अमेरिका में अमेज़ॅन नदी में पाए गए थे।
- विशेषताएं: ये मूलतः अंधे हैं।
- ये डॉल्फ़िन भारत, बांग्लादेश और नेपाल की नदी प्रणालियों में रहती हैं।
- **स्थिति:**
  - वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम 1972: अनुसूची I.
  - प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन): लुप्तप्राय
  - वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परिशिष्ट I

राष्ट्रीय तानसेन सम्मान

18 दिसंबर को मध्य प्रदेश की संगीत राजधानी ग्वालियर में आयोजित विश्व प्रसिद्ध तानसेन समारोह में राष्ट्रीय तानसेन पुरस्कार और राजा मानसिंह तोमर पुरस्कार दिए गए।

ONLY IAS BY PHYSICS WALLAH

मुख्य बिंदु

- भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध तबला वादक पं. कोलकाता के स्वपन चौधरी को वर्ष 2023 के "राष्ट्रीय तानसेन सम्मान" से सम्मानित किया गया।
- राष्ट्रीय तानसेन पुरस्कार में पांच लाख रुपये की सम्मान राशि, प्रशस्ति पट्टिका और शॉल-श्रीफल भेंट किया गया।
- संगीत सम्राट तानसेन के नाम पर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित यह पुरस्कार भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय संगीत पुरस्कार है।
- इंदौर की संस्था सानंद न्यास को वर्ष 2023 के "राजा मानसिंह तोमर सम्मान" से सम्मानित किया गया।
- यह संस्था पिछले 35 वर्षों से इंदौर में शास्त्रीय संगीत, नाटक और सांस्कृतिक उत्सवों के क्षेत्र में काम कर रही है।

मध्य प्रदेश के पुरस्कार

राष्ट्रीय लता मंगेशकर पुरस्कार

- स्थापना: 1984
- पुरस्कार राशि: ₹5 लाख (शुरुआत में ₹2 लाख)
- क्षेत्र: संगीत निर्देशन और पार्श्व गायन
- पहले पुरस्कार विजेता: नौशाद

हाल के पुरस्कार विजेता:

- 2019: शैलेंद्र सिंह
- 2020: आनंद-मिलिंद
- 2021: कुमार सानु

राष्ट्रीय महात्मा गांधी पुरस्कार

- स्थापना: 1995
- पुरस्कार राशि: ₹20 लाख (अप्रैल 2022 से लागू)
- क्षेत्र: गांधीवादी दर्शन (संस्था के लिए)
- पहले पुरस्कार विजेता: कस्तूरबा गांधी ट्रस्ट (इंदौर)

राष्ट्रीय कबीर पुरस्कार

- स्थापना: 1986
- क्षेत्र: भारतीय भाषाओं की काव्य रचना
- पहले पुरस्कार विजेता: गोपाल कृष्ण अदिग

मैथिली शरण गुप्त सम्मान

- स्थापना: 1987
- पुरस्कार राशि: ₹5 लाख (शुरुआत में ₹2 लाख)
- क्षेत्र: हिंदी साहित्य
- पहले पुरस्कार विजेता: शमशेर बहादुर सिंह

इंदौर में भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध।

इंदौर प्रशासन ने 1 जनवरी 2025 से 'भिक्षावृत्ति निषेध अधिनियम' का उल्लंघन करके शहर में भिखारियों को पैसे या भिक्षा देने पर प्रतिबंध लगाया।

मुख्य बिंदु

- जिला प्रशासन ने इस पर कार्रवाई करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 163 लागू की है, जो पुराने IPC की धारा 144 के समान है।
- इंदौर भारत का पहला ऐसा शहर बन गया है जिसने भीख मांगने पर प्रतिबंध लगाया है और भिखारियों को पैसे देने वालों पर जुर्माना लगाया है। आदेश का कोई भी उल्लंघन छह महीने तक की कैद या ₹1000 तक के जुर्माने से दंडनीय है।
- इंदौर उन दस शहरों में से एक है जिन्हें "भिक्षावृत्ति में लगे व्यक्तियों के व्यापक पुनर्वास" परियोजना के क्रियान्वयन के लिए चुना गया है। यह परियोजना केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है।
- इस परियोजना में शामिल शहर हैं: इंदौर, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, बेंगलुरु, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पटना और अहमदाबाद।
- अभियान के पहले चरण में, जो फरवरी 2024 में शुरू हुआ, भिखारियों को इंदौर से उज्जैन के एक आश्रम में इलाज और पुनर्वास के लिए ले जाया गया। दूसरे चरण में, जो जनवरी 2025 से शुरू होगा, भिखारियों को भोजन और पैसा देना अपराध माना जाएगा।
- इस योजना का उद्देश्य भारत को भिक्षावृत्ति-मुक्त राष्ट्र बनाना है और इसके लिए यह भिखारियों के पुनर्वास का प्रावधान करती है।

भारत का पहला सौर सीमा गांव

गुजरात में बनासकांठा जिले का मसाली गांव देश का पहला सौर सीमा गां व बन गया है। कुल 800 की आबादी वाला मसाली गांव पाकिस्तान सीमा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है।

मुख्य बिंदु

- जिला प्रशासन के प्रयासों के बाद, मसाली देश में 100 प्रतिशत सौर ऊर्जा संचालित गांव के रूप में उभरा है।
- पीएम सूर्यघर योजना के तहत 800 लोगों की आबादी वाले मसाली गांव में कुल 119 घरों पर सोलर रूफटॉप लगाए गए हैं.
- ये सभी घर 225 किलोवाट से ज्यादा बिजली पैदा कर रहे हैं।
- सूर्य घर बिजली योजना ₹75,000 करोड़ की केंद्र सरकार की पहल है जिसका उद्देश्य पूरे भारत में छत पर सौर प्रतिष्ठानों (आरटीएस) को बढ़ावा देना है।
- उद्देश्य: मार्च 2027 तक एक करोड़ घरों में छत पर सौर पैनल स्थापित करना, मुफ्त बिजली प्रदान करना और सतत ऊर्जा प्रथाओं को बढ़ावा देना
- नोडल मंत्रालय: नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई)

रूफटॉप सोलर (आरटीएस) के बारे में

- रूफटॉप सोलर का तात्पर्य ऐसे फोटोवोल्टिक (PV) सिस्टम से है, जिसमें बिजली उत्पन्न करने वाले सोलर पैनल आवासीय या व्यावसायिक भवनों की छतों पर लगाए जाते हैं।
- रूफटॉप-माउंटेड सिस्टम आकार में ग्राउंड-माउंटेड फोटोवोल्टिक पावर स्टेशनों की तुलना में छोटे होते हैं।

लघु समाचार

- एसीसी के निर्णय पारित होने के बाद **रामा मोहन राव अमारा** अगले तीन वर्षों के लिए **एसबीआई** के **प्रबंध निदेशक** बनने जा रहे हैं।
- **भारत** ने **स्मार्टफोन** निर्माण और निर्यात दोनों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए, **2019** में **23वें स्थान** से **2024** तक **तीसरे स्थान** पर पहुंचने में सफलता प्राप्त की है।
- **भारत नवंबर 2025** में **विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल** और **प्रतिष्ठित विश्व बॉक्सिंग कांग्रेस** की मेजबानी करेगा।
- **विनीसियस जूनियर** और **ऐतान बोनमती** को **दोहा** में **फीफा के बेस्ट अवार्ड्स** में वर्ष के **शीर्ष फुटबॉलर** के रूप में नामित किया गया।
- **SLINEX 2024** (**श्रीलंका-भारत सैन्य अभ्यास**) का आयोजन **17 से 20 दिसंबर 2024** तक **विशाखापट्टनम** में, **पूर्वी नौसेना कमान** के तत्वावधान में किया जा रहा है।

दैनिक करेंट अफेयर्स से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सा शहर भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने वाला भारत का पहला शहर बन गया है?

A. भोपाल
B. दिल्ली
C. इंदौर
D. मुंबई

उत्तर-C

2. निम्नलिखित में से किसे वर्ष 2023 के लिए "राजा मानसिंह तोमर सम्मान" से सम्मानित किया गया।

A. सानंद न्यास
B. पं. स्वपन चौधरी
C. जाकिर हुसैन
D. अमित मिश्रा

उत्तर-A

○○○○